भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1895

जिसका उत्तर दिनांक 03.07.2019 को दिया जाना है

नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र

1895. श्री कपिल मोरेश्वर पाटील :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान नए परमाणु विद्युत संयंत्रों की स्थापना करने हेतु कितने प्रस्तावों को अन्तिम रूप प्रदान किया गया है तथा कितने प्रस्ताव स्वीकृत किए गए हैं;

(ख) क्या परमाणु ऊर्जा उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कंपनियों को भी संलग्न किया जा रहा है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को अनुमति प्रदान करने का विचार है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) निजी क्षेत्र की कंपनियों के माध्यम से संभावित विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सरकार ने देश में नाभिकीय विद्युत क्षमता बढ़ाने के लिए बारह (12) नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों - फ्लीट मोड में स्थापित किए जाने वाले दस (10) स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) और रूसी परिसंघ के सहयोग से स्थापित किए जाने वाले साधारण जल रिएक्टरों (एलडब्ल्यूआर) की दो (2) यूनिटों के निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय संस्वीकृति प्रदान की है ।

(ख) वर्तमान में परमाणु ऊर्जा विभाग की दो सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) नाभिकीय विद्युत उत्पादन से जुड़ी हुई हैं । सरकार ने परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन भी किया है जिससे नाभिकीय विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम संभव हो सके ।

(ग) तथा (घ) नाभिकीय विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र को अनुमति प्रदान करने के संबंध में वर्तमान में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । तथापि, नाभिकीय ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी कोर रिएक्टर घटक, उपकरण, सामग्री उपलब्ध कराने और सेवाएं जिसमें उपकरणों का निर्माण, फैब्रिकेशन और इरेक्शन, पाइपिंग, इलेक्ट्रिक, इन्स्ट्रूमेंटेशन, कंसल्टेंसी, सहायक और लॉजिस्टिकल सेवाएं शामिल हैं, प्रदान करने में होती है ।

****